UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी,नैनीताल

M.A. I YEAR ASSIGNMENT

एम.ए.प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission: 15-05-2015 **जमा करने की अन्तिम तिथि – *15-05-2015***

Course Title: Political Thought **Course Code: MAPS-01**

कोर्स शीर्षक :राजनीतिक चिंतन कोर्स कोड :एमएपीएस **-01**

Year: 2014-15 **Maximum Marks: 40**

सत्र **2014-15** अधिकतम अंक - 4**0**

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 5 marks each. Learners are required to answers 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं ,इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं | प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं |तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर २५० शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए |

Briefly discuss the following:

निम्न की संक्षेप में चर्चा कीजिए :

1 बेन्थम का सुखवादी सिद्धान्त ।
Bentham's Hedonistic principle.

2-यूनानी राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएं।
Features of Greek Political thought.

3 हॉब्स की प्राकृतिक अवस्था ।
Natural period of Hobbes'.

4 मैकियावली के अनुसार मानव स्वभाव |
Human nature according to Machiavelli.

5 दो तलवारों का सिद्धान्त ।
Doctrine of the two swords.

6-हॉब्स का व्यक्तिवाद ।
Individualism of Hobbes.

7- हॉब्स की प्रभुसत्ता ।
Sovereignty of Hobbes.

8-लॉक के प्राकृतिक अधिकार ।
Natural Rights of Locke.

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 10 marks each. Learners are required to answers 02 questions only.

भाग ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं ,इनमें से केवल दो प्रश्न के उत्तर देने हैं |प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं |

1.उपयोगितावाद पर एक निबंध लिखिए |

Write an essay on Utilitarianism .

2 अरस्तु के राजनीतिक विचारों के महत्त्व की विवेचना कीजिए।

Discuss the importance of political thought of A Aristotle.

3 महाभारत में राजनीतिक विचारों पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on Political thought in the Mahabharata Granth .

4-मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन की विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

Discuss the features political thought's of medual period (Church and State).